यीशु ईस्टर के दिन मुर्दो में से हमेशा के लिए जी उठा।

इनमें से कोई भी घटना बच्चो के सिखने के लिए चुनिए।
बच्चे इस तस्वीर की नकल करे और उसमें रंग भरे।

अध्यापक या कोई बड़ा बच्चा यीशु के मुर्दो में से जी उठने की कहानी पढ़े या सुनाए। मरकुस अध्याय 15:1-16:8 यह हमें बताता है कि कैसे यीशु मरा, दफनाया गया और तीसरे दिन जी उठा।

कहानी सुनाने के बाद यह प्रश्न पूछिए। उत्तर हर प्रश्न के बाद लिखे हैं।

पिलातुस ने यीशु को क्या कहा (यहूदियों का राजा, मरकुस 15:2)
सैनिको ने यीशु के साथ कैसा व्यवहार किया (मरकुस 15:17-19)
उन्होंने उसके सिर के ऊपर दोष पत्र पर क्या लिखा (मरकुस 15:26)
यीशु ने प्राण त्यागने से पहले क्या चिल्लाकर कहा (मरकुस 15:34)

कब्र के मुँह पर क्या रखा गया (मरकुस 15:46)

ईस्टर की कहानी के भागों का नाटक दिखाइए।

कलिसिया के अगुओ के साथ मिलकर प्रार्थना समय में बच्चो को नाटक प्रस्तुत करने का अवसर दें।
बच्चों को अभ्यास कराने में अपना समय दें।
आप वचन के पदों से कुछ भाग छोड़ या जोड़ सकते हैं।
बड़े बच्चे छोटे की तैयारी में सहायता करे।
बड़े बच्चे था इस भाग को प्रस्तुत करें।

वर्णन करने वाला: कहानी सुनाइए। जो बच्चो को बोलना है, उसको याद करने में उनकी सहायता करें।
सैनिक: वह चीजे तैयार करे जिससे कोड़ा, काँटो का ताज तथा कपड़े दर्शित हो।

याजक

यीशु

पिलातुस

यूसुफः एक वस्त्र तैयार करें।

छोटे बच्चे यह भाग प्रस्तुत करें:

औरतेः इत्र दर्शाने के लिए बोतल बनाएँ।

भीड़

फरिश्ते

ईस्टर का नाटक तीन भागो में प्रस्तुत करें।

भाग एक (मरकुस 15:1-20)

वर्णन करने वालाः मरकुस 15:1-20 पढ़ें या जुबानी बोले। घोषणा करे, सुनो याजक क्या कहता है।

याजकः महोदय, इस मनुष्य ने हमारे कानून को तोड़ा है इसको मृत्यु दण्ड मिलना चाहिए।

पिलातुसः यीशु क्या तुम यहुदियो के राजा हो।

यीशुः "मैं हूँ"

पिलातुसः आश्चर्य से देखते हुए। फिर कहे, "मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता। क्या आप लोग चाहते हो कि मैं इसको छोड़ दूँ"।

भीड़ गुस्से से चिल्लाकर, "बरब्बा को छोड़ दो। यीशु को सलीब पर चढ़ाओ।"

पिलातुसः "सैनिक, इसको लेकर जाओ। सलीब पर चढ़ाओ।"

सैनिकः कोड़े मारने का दिखावा करना। यीशु को कपड़े पहनाना और काँटो का ताज पहनाना। यह कहते हुए उपहास करना "हे यहूदियो के राजा" "यह आपका ताज है।" "यह आपके कपड़े हैं, यह आपकी सलीब है, उठाओ इसको।

भाग दो (मरकुस 15:22-47)

वर्णन करने वालाः भाग दो पढ़ें या बोले। जब वर्णन करने वाला बोले, यीशु, तब वह झुककर ऐसे दिखाए जैसे उसको पीठ पर भारी सलीब है और धीरे-धीरे कमरे का चक्कर लगाए। जब वर्णन करने वाला रूक जाए तो सैनिक सलीब को जमीन पर रखने का दिखावा करें।

वर्णन करने वालाः "सुनो सैनिक क्या कहते है"।

सैनिकः यीशु को सलीब पर कीलो से ठोकने का बहाना करते हुए। "कहो हम इसके कपड़ो पर चिठ्ठी डालते है" (यीशु को उठाकर सलीब पर कीलो से ठोकने का बहाना करते हुए, उसको कुर्सी पर रखते हुए तथा हाथ फैलाकर खड़ा करते हुए)

भीड़ः "देखो उस पत्र पर लिखा है यीशु राजा है।" "हे येशु, अपने आप को बचा।

याजकः यीशु अपनी सामर्थ दिखा और सलीब से उतर आ।

यीशुः जोर से चिल्लाकर कहा, "हे मेरे परमेश्वर, तुने मुझे क्यों छोड़ दिया।"

महिलाएः "ओह नहीं, यिशु मर गया।"

तीसरा भाग (मरकुस 16:1-8) वर्णन करने वाला:

वर्णन करने वाला कहानी का तीसरा भाग बताएँ (मरकुस 13:1-8) और

बोले "सुनो यूसुफ क्या कहता है"

यूसुफ: पिलातुस, मुझे यीशु का शव दफनाने के लिए दे दें।

(महिलाँए देखती है) उसने यीशु के शव को सलीब से उतारकर कपड़े में लपेटा और कब्र में रख दिया (मेज के नीचे) एक पत्थर (कुर्सी को) मेज के सामने रख दो।

वर्णन करने वाला: "तीसरे दिन अद्भुत चमत्कार हुआ" पत्थर हटाओ। यीशु उठकर चले।

महिलाए: सुगन्धित बोतलों के साथ कब्र पर जाती है और आँसू पौंछते हुए कहती है कि भारी पत्थर कब्र पर से कौन उठाएगा। देखो पत्थर हट गया है। देखो वहाँ एक फरिश्ता है।

फरिश्ता: यीशु जी उठा है! जाकर उसके चेलो को बताओ।

वर्णन करने वाला: जब नाटक समाप्त हो जाए तो बच्चो का धन्यवाद करें।

बच्चे बड़ो से पूछे कि यीशु के मरने और फिर जीवित होने के बाद उसने हमारे लिए क्या किया। उत्तर में यह बात समावेश हो कि उसके लहू के द्वारा हमारे सारे पाप ढाँप दिए गए और उसके पुनरूस्थान में विश्वास के द्वारा हमें नया जीवन मिला।

कुछ बच्चे यीशु की सलीब पर चित्र बनाए और कुछ बच्चे यीशु को कब्र के बाहर, जीवित दर्शाए। बच्चें यह चित्र बड़ो को प्रार्थना के समय दिखा सकते हैं और व्याख्या कर सकते हैं कि यीशु हमारे लिए मरा और तीसरे दिन जी उठा ताकि हमको जीवन मिलें।

पहला पतरस 1:3 याद कीजिए

कविता: चार बच्चे मिलकर बारी बारी भजन संहिता 21:1-4 बोले और बड़े बच्चे यीशु के पुनरूत्थान पर कविता लिखें।

प्रार्थना: प्यारे यीशु, हम आपकी मृत्यु तथा पुनरूथान को याद करते हैं। आपकी मृत्यु के द्वारा हमें हमारे पापों से क्षमा मिली और आपके जी उठने से हमें नया जीवन मिला। आपकी महिमा हो।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net